माँ तेरा शृंगार निराला

तेरे गले में, सजे हैं सोहने हार दातिए ॥,
"तेरा सबसे, निराला है शृंगार दातिए" ॥

तेरे पैरों में पाज़ेब, बिछुए माँ सजते
तूँ जो, चलती तो मंदिरों में, शँख वजते ॥
तेरी शक्ति का है, ऐसा चमत्कार दातिए ॥,
तेरा सबसे, निराला है शृंगार दातिए ॥

तेरे चरणों में आ के, सभी गाते झूमते
रखे, यहाँ तूँ कदम, उस जगह को चूमते ॥
तेरी दया का भरा है, भंडार दातिए ॥,
तेरा सबसे, निराला है शृंगार दातिए ॥

केवल महिमा को देख, तेरे द्वारे आ गया
तेरी, भक्ति का मुझ पे, नशा है छा गया ॥
दे दे सागर को, अपना दुलार दातिए ॥,
तेरा सबसे, निराला है शृंगार दातिए ॥
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/19628/title/maa-tera-shringaar-nirala

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |